



Roll No. ....  
Signature of Invigilator .....

Paper Code  
BD-604

## पतंजलि विश्वविद्यालय

### University of Patanjali

Examination August – 2021

B.A. Darshan, Semester : Sixth  
संस्कृत : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ  
संस्कृत व्याकरण-XII

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

**नोट :** यह प्रश्नपत्र सत्र (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

#### खण्ड-क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  $(3 \times 15 = 45)$

1. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें -  
शिखाया वलच्, शोणी, उल्कादिश्यरुषः, उदक् च विपाशः, तदधीते तद्वेद।
2. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें -  
यजिजोश्च, बडादीनां कुक् च विषयो देशो, घजः साऽस्यां क्रियेति जः, पाशादिश्यो यः।
3. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें -  
क्षीराङ् ढज्, दध्नष्ठक्, कस्येत्, परिवृतो रथः, लुबविशेषे।
4. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें -  
तेन रक्तं रागात्, लाक्षादेवनाट् रक्, कुलात्या वा, इतश्चानिजः, अत इज्।
5. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें -  
द्वय चः, नदां मतुप्, वरणादिश्यश्च, राजव्यादिश्यो वुज्, संस्कृतं भक्षाः।

#### खण्ड-ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

**नोट :** खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।  $(5 \times 5 = 25)$

1. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - उदशिवतोऽव्यतरस्याम्, आग्रहायण्यश्वत्थाट् रक्।
2. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - केशवाशवाभ्यां यज्ञावव्यतरस्याम्, केदाराद्यज्ञ।
3. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - वायवृत्तुपित्रुषसो यत्, कलेष्ठक्।
4. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - गोधाया ढक्, कुलात्खः।
5. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - तदस्मिन्नज्ञातीति देशो तज्जान्निन, अङ्गेष्ठक्।
6. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - कुमुद-नड-वेतसेभ्यो इमतुप्, मतोश्च ब्रह्मजङ्गात्।
7. निम्न सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या करें - रञ् कवचिनश्च, विभाषा फाल्गुनी-श्रवणा-कार्तिकी-चैत्रीश्यः।

-----X-----